RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अगस्त
06
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

बादल फटना / Cloudburst

संदर्भ:

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में 5 अगस्त 2025 को बादल फटने की एक भीषण घटना ने बड़ी त्रासदी को जन्म दिया। **खीरगंगा नदी** में अचानक आई बाढ़ के कारण पूरा गांव प्रभावित हुआ, जिसमें अब तक 4 लोगों की मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है और 50 से अधिक लोग लापता हैं।

धराली गांव का भूगोलिक महत्त्व:

- धराली गांव **उत्तरकाशी जिले** में स्थित है, जो **हर्षिल घाटी** के पास और **भागीरथी नदी** के किनारे बसा एक प्रमुख स्थल है।
- यह गांव **गंगोत्री धाम से 18 किमी** और **देहरादून से लगभग 218 किमी** दूर है।
- इसकी समुद्र तल से ऊंचाई **9,005 फीट** (लगभग 2,745 मीटर) है, जो इसे बादल फटने जैसी घटनाओं के लिए संवेदनशील बनाता है।

बादल फटना (Cloudburst) क्या है?

- भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, यदि 1 घंटे में 100 मिमी या उससे अधिक वर्षा होती है, तो उसे बादल फटना कहा जाता है।
- यह घटना आमतौर पर 20 से 30 वर्ग किलोमीटर के छोटे भौगोलिक क्षेत्र में सीमित होती है।

बादल फटने की प्रक्रिया:

1. **बादलों का संघनन:**
   - जब **नमी युक्त हवा** पहाड़ी क्षेत्र में ऊपर की ओर उठती है, तो वह **क्यूमुलोनिंबस (Cumulonimbus) बादलों** के रूप में संघनित हो जाती है।
   - ये बादल भारी वर्षा, गरज और बिजली उत्पन्न करते हैं।
2. **ओरोग्राफिक लिफ्ट:** पहाड़ों के बीच में फंसे हुए बादल भारी होने पर **स्थानीय घाटियों और पहाड़ियों में अटक जाते हैं** और बहुत सीमित क्षेत्र में **तेज बारिश** होती है।
3. **ऊर्ध्वगामी वायु प्रवाह:**
   - हवा का ऊपर की ओर बढ़ना बादलों को ऊर्जा देता है, जिससे वे **अचानक भारी वर्षा** करते हैं।
   - यह घटना आमतौर पर **1,000 से 2,500 मीटर की ऊंचाई** पर होती है।
4. **वायुमंडलीय गड़बड़ी:**
   - कम दबाव की प्रणाली (Low-pressure systems) के कारण **संवहनीय बादलों (Convective clouds)** का तेजी से विकास होता है और अत्यधिक वर्षा होती है।
5. **वायु धाराओं का अभिसरण:** जब **गर्म, नम हवा** ठंडी, सघन हवा से टकराती है, तो गर्म हवा तेजी से ऊपर उठती है जिससे **बादल फटने** जैसी घटना घटती है।

इसका परिणाम:

- **फ्लैश फ्लड (Flash Floods)**
- **भूस्खलन (Landslides)**
- **मकानों का ढहना**
- **यातायात बाधित होना** जैसे होते हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों में बादल फटने की संभावना क्यों अधिक?

1. **खड़ी ढलानें और ऊंची पर्वतमालाएं** संवहन को तेज़ करती हैं।
2. **नमी से भरी हवाएं** जल्दी ऊपर उठती हैं और भारी बादल बनाती हैं।
3. बारिश का पानी जब गिरता है, तो वह **मलबा, पत्थर और पेड़** बहाकर लाता है।
4. तेज़ बहाव और संकरी घाटियों के कारण **नुकसान की तीव्रता बढ़ जाती है**।

सबसे अधिक संवेदनशील राज्य:

भारत में जो राज्य बादल फटने की घटनाओं के लिए सबसे अधिक संवेदनशील हैं:

- **उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश**

इन राज्यों में **मानसून सीजन** के दौरान यह घटनाएं आम होती जा रही हैं।

जलवायु परिवर्तन और बादल फटना:

विशेषज्ञों का मानना है कि:

- **जलवायु परिवर्तन** के कारण भविष्य में **बादल फटने की घटनाएं** और अधिक बढ़ सकती हैं।
- इसके पीछे प्रमुख कारण हैं:
  - **तेज तापमान वृद्धि**
  - **वायुमंडलीय अस्थिरता**
  - **वाष्पीकरण की बढ़ी दर**
- **मानवजनित गतिविधियाँ** जैसे जंगलों की कटाई, कचरे का जलाना, और शहरीकरण भी इन घटनाओं को बढ़ा रहे हैं।

फिलीपींस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा / Visit of President of Philippines to India

संदर्भ:

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर इन दिनों 5 दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत में हैं। यह यात्रा 4 अगस्त से 8 अगस्त 2025 तक आयोजित हो रही है। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है, जो उन्होंने 2022 में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद की है।

भारत-फिलीपींस उच्चस्तरीय वार्ता 2025: मुख्य बिन्दु -

मोदी- मार्कोस बैठक में व्यापार, रक्षा और तकनीक पर बनी नई सहमति:

व्यापार व आर्थिक सहयोग:

- द्विपक्षीय व्यापार 3 अरब डॉलर पार
- **India-ASEAN FTA** की समीक्षा पर सहमति बनी
- डिजिटल, ऑटोमोबाइल, विज्ञान और हेल्थ सेक्टर में साझेदारी बढ़ेगी

स्वास्थ्य व कृषि क्षेत्र:

- इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा Ultra-low Glycemic चावल पर संयुक्त शोध पर सहमति
- पोषण और हेल्थ सेक्टर में साझेदारी को मिली प्राथमिकता

रक्षा और समुद्री सहयोग:

- पहली बार भारतीय नौसेना के 3 युद्धपोत फिलीपींस में अभ्यास में शामिल होंगे
- Maritime Cooperation को बताया 'स्वाभाविक और आवश्यक'
- Mutual Legal Assistance और सज़ायाफ्ता व्यक्तियों के ट्रांसफर पर सहमति

पर्यटन व वीजा नीति:

- **फिलीपींस नागरिकों के लिए भारत का फ्री ई-वीज़ा पर सहमति**
- **भारतीयों को फिलीपींस में वीज़ा-फ्री एंट्री की घोषणा की गई**
- दिल्ली-मनीला डायरेक्ट फ्लाइट जल्द शुरू होने की योजना

अंतरिक्ष व सांस्कृतिक संबंध:

- स्पेस सेक्टर में नया समझौता
- Cultural Exchange Programme के तहत सांस्कृतिक रिश्ते मजबूत होंगे

इंडो-पैसिफिक और सुरक्षा दृष्टिकोण:

- नियम आधारित व्यवस्था और समुद्री स्वतंत्रता के लिए साझी प्रतिबद्धता
- इंडो-पैसिफिक में शांति व स्थिरता को लेकर साझा दृष्टिकोण

आतंकवाद पर एकजुटता:

- फिलीपींस द्वारा पहलगाम हमले की निंदा की गई
- आतंकवाद के खिलाफ सख्त और संयुक्त रुख पर जोर दिया

भारत-फिलीपींस संबंध: ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

1949 में राजनयिक संबंधों की शुरुआत:

- भारत और फिलीपींस ने **1949** में औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए।
- यह सहयोग दोनों देशों की स्वतंत्रता (भारत: 1947, फिलीपींस: 1946) के तुरंत बाद शुरू हुआ।

लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित मित्रता: दोनों देशों के संबंध साझा लोकतांत्रिक आदर्शों और ऐतिहासिक मित्रता पर आधारित रहे हैं।

- **Look East से Act East तक**
- **1992 की Look East Policy** और
- **2014 की Act East Policy** ने भारत-फिलीपींस संबंधों को **आर्थिक, राजनीतिक-सुरक्षा और सामाजिक-सांस्कृतिक** क्षेत्रों तक विस्तार दिया।

द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

बढ़ता व्यापार

- 2015-16 में द्विपक्षीय व्यापार: **1.89 अरब डॉलर**
- 2023-24 में व्यापार बढ़कर पहुँचा: **लगभग 3.5 अरब डॉलर**

निवेश के अवसर: नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, पर्यटन, डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, स्वास्थ्य सेवाएं, और **अवसंरचना** जैसे क्षेत्रों में भारत के लिए **निवेश की अपार संभावनाएं**।

क्षेत्रीय मंचों पर सहभागिता

- भारत और फिलीपींस दोनों **ASEAN** और **East Asia Summit** जैसे मंचों के सदस्य हैं।
- ये मंच क्षेत्रीय **शांति, स्थिरता और आर्थिक विकास** को बढ़ावा देने में सहायक हैं।

निष्कर्ष: राष्ट्रपति मार्कोस की यह यात्रा भारत-फिलीपींस संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ती है। रणनीतिक साझेदारी की घोषणा, द्विपक्षीय सहयोग की विविध योजनाएं और क्षेत्रीय हितों पर एकजुट दृष्टिकोण इस यात्रा को ऐतिहासिक बनाते हैं।

बिहार में डोमिसाइल नीति / Domicile Policy in Bihar

संदर्भ:

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिक्षक बहाली में **डोमिसाइल पॉलिसी (Domicile Policy)** लागू करने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब बिहार के निवासियों को शिक्षक नियुक्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी।

पृष्ठभूमि: बिहार में डोमिसाइल नीति

- बिहार में **स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता** देने की मांग वर्षों से चली आ रही थी।
- **2020 के विधानसभा चुनाव** में इस नीति को लागू करने का वादा किया गया था, जिसे बाद में सरकार ने लागू भी किया।
- लेकिन **जुलाई 2023** में सरकार ने यह नीति **समाप्त कर दी**, कारण बताया गया कि योग्य शिक्षकों की कमी हो रही थी।
- इसके विरोध में **छात्रों और सामाजिक संगठनों** ने आंदोलन किया और **नीति को पुन: लागू करने की मांग** उठाई।

क्या है डोमिसाइल नियम?

डोमिसाइल का अर्थ होता है - स्थायी निवास प्रमाण पत्र (Permanent Residence Certificate)।

डोमिसाइल सर्टिफिकेट क्यों जरूरी है?

शिक्षक भर्ती में अनिवार्य: बिहार सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब सिर्फ वही अभ्यर्थी पात्र होंगे, जो बिहार के *स्थायी निवासी* हैं।

अन्य लाभ:

1. **शैक्षणिक संस्थानों में एडमिशन के लिए:** कॉलेज, स्कूल, यूनिवर्सिटी आदि में दाखिले में मददगार।
2. **सरकारी नौकरी में प्राथमिकता के लिए:** स्थानीय निवासियों को आरक्षण या वरीयता दी जाती है।
3. **जमीन की रजिस्ट्री में आवश्यक दस्तावेज:** जमीन खरीद-बिक्री में उपयोग होता है।
4. **वाहन खरीदने और पंजीकरण के समय जरूरी:** RTO में स्थानीयता साबित करने में मदद करता है।
5. **राज्य सरकार की छात्रवृत्तियों के लिए जरूरी:** स्कॉलरशिप योजनाओं में पात्रता के लिए उपयोगी।
6. **लोन के आवेदन में सहायक:** बैंक या अन्य संस्थानों में पता प्रमाण के रूप में मान्य।
7. **सरकारी योजनाओं में स्थानीय निवास प्रमाण के रूप में:** सभी प्रकार की योजनाओं और सेवाओं में काम आता है।

डोमिसाइल नीति की माँग: छात्रों की मुख्य चिंताएँ-

- **बाहरी प्रतिस्पर्धा:** उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की भागीदारी से बिहार के युवाओं को कम अवसर मिले।
- **स्थानीय भाषा की जरूरत:** भोजपुरी, मैथिली जैसी भाषाओं की समझ शिक्षण के लिए जरूरी है, जो बाहरी उम्मीदवारों में नहीं होती।
- **अन्य राज्यों में नीति लागू:** यूपी, राजस्थान जैसे राज्यों में पहले से डोमिसाइल आधारित प्राथमिकता दी जाती है, जिससे बिहार के छात्र असमान प्रतिस्पर्धा में पड़ते हैं।
- **बेरोजगारी की स्थिति:** बिहार में बेरोजगारी पहले से ज्यादा है, ऐसे में बाहरी उम्मीदवारों के चयन से संकट बढ़ता है।
- **स्थानीय प्रतिनिधित्व:** स्थानीय शिक्षक छात्रों को बेहतर समझते हैं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थानों की स्थिरता बढ़ती है।

आगे की राह:

- **भर्ती में पारदर्शिता:** चयन प्रक्रिया में निष्पक्षता और जवाबदेही तय कर योग्य उम्मीदवारों को ही अवसर दिए जाएं।
- **शिक्षकों का गुणवत्ता प्रशिक्षण:** स्थानीयता के साथ-साथ आधुनिक और प्रभावी प्रशिक्षण से शिक्षकों की दक्षता बढ़ाना जरूरी है।
- **स्कूलों का बुनियादी ढांचा सुधारें:** भवन, पुस्तकालय, लैब और डिजिटल संसाधनों को सशक्त बनाना होगा।
- **पाठ्यक्रम और मूल्यांकन में नवाचार:** समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए नया पाठ्यक्रम और निष्पक्ष मूल्यांकन प्रणाली अपनानी चाहिए।

अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण की छठी वर्षगांठ / Sixth Anniversary of Article 370's Revocation

संदर्भ:

5 अगस्त 2025 को **अनुच्छेद 370 और 35A** हटाए जाने की **छठी वर्षगांठ** मनाई गई। इस ऐतिहासिक निर्णय के तहत **जम्मू-कश्मीर को प्राप्त विशेष राज्य का दर्जा समाप्त** कर दिया गया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों – **जम्मू-कश्मीर और लद्दाख** – में विभाजित किया गया था। यह कदम भारतीय संविधान के पूर्ण क्रियान्वयन और क्षेत्रीय एकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना गया।

अनुच्छेद 370 क्या था?

- अनुच्छेद 370 को **संविधान के भाग XXI के तहत अस्थायी प्रावधान** के रूप में शामिल किया गया था और यह **1952 में लागू** हुआ।
- इसके तहत **जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा** प्राप्त था:
    - राज्य का **अपना संविधान और झंडा** हो सकता था।
    - राज्य को **वित्त, रक्षा, विदेश नीति और संचार** को छोड़कर अन्य सभी विषयों पर **अपने कानून बनाने का अधिकार** था।
- इसका अर्थ था कि जम्मू-कश्मीर को **अपने आंतरिक मामलों पर व्यापक नियंत्रण** प्राप्त था।

अनुच्छेद 35A क्या था?

अनुच्छेद 35A को **1954 में राष्ट्रपति आदेश** (The Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954) के माध्यम से अनुच्छेद 370 की शक्ति से जोड़ा गया था।

इसके मुख्य प्रावधान:

- राज्य को **स्थायी निवासियों को विशेष अधिकार** देने की अनुमति देता था: भूमि स्वामित्व, सरकारी नौकरियाँ, शिक्षा में छात्रवृत्तियाँ
- **गैर-स्थानीय लोग**:
    - राज्य में **स्थायी रूप से बस नहीं सकते थे**
    - **जमीन नहीं खरीद सकते थे**
    - **राज्य लाभों के पात्र नहीं थे**
- **महिलाओं के साथ भेदभाव:** यदि कोई **महिला स्थायी निवासी** किसी बाहरी व्यक्ति से विवाह करती, तो उसकी और उसके बच्चों की **संपत्ति के अधिकार समाप्त हो जाते थे**।
- अनुच्छेद 35A के अंतर्गत राज्य विधानसभा द्वारा बनाए गए किसी भी कानून को **भारतीय संविधान या किसी अन्य कानून के उल्लंघन के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती थी**।

अनुच्छेद 370 हटाने की आवश्यकता क्यों थी?

1. **राष्ट्रीय एकीकरण और एकरूपता:**
    - अनुच्छेद 370 की वजह से जम्मू-कश्मीर **भारत में पूर्ण रूप से विलय नहीं** कर सका था।
    - इसे हटाकर जम्मू-कश्मीर को **अन्य राज्यों के समान संवैधानिक और प्रशासनिक ढांचे** में लाना उद्देश्य था।
2. **सुरक्षा और राष्ट्र की अखंडता:**
    - राज्य दशकों से **आतंकवाद और अस्थिरता** का शिकार रहा, जिसमें **सीमा पार हस्तक्षेप** की भूमिका रही।
    - अनुच्छेद हटाना **राष्ट्रीय संप्रभुता और आंतरिक सुरक्षा** को मजबूत करने की दिशा में कदम था।
3. **सामाजिक-आर्थिक विकास:**
    - अनुच्छेद 35A के चलते **गैर-स्थायी निवासी निवेश नहीं कर सकते थे**, जिससे विकास बाधित होता था।
    - भूमि, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में **बाहरी निवेश अवरुद्ध था**।
4. **संवैधानिक और कानूनी आधार:**
    - अनुच्छेद 370 **अस्थायी प्रावधान** था, जिसे **जनहित में समाप्त** करना जरूरी था।
    - यह **लोकतांत्रिक और प्रशासनिक सुधारों** को लागू करने में बाधा बनता था।
5. **भेदभावपूर्ण प्रावधान:**
    - महिलाओं और उनके बच्चों के **संपत्ति अधिकारों में भेदभाव** किया गया।
    - **73वां और 74वां संविधान संशोधन** लागू नहीं हो सका, जिससे **पंचायती राज और नगर पालिका चुनाव नहीं हो पाए**।

भारत 5वां सबसे बड़ा विमानन बाजार / India 5th Biggest Aviation Market

संदर्भ:

भारत 2024 में 211 मिलियन यात्रियों को संभालते हुए दुनिया का **पांचवां सबसे बड़ा विमानन बाजार** बन गया है। यह जानकारी अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (IATA) द्वारा जारी नवीनतम वर्ल्ड एयर ट्रांसपोर्ट स्टैटिस्टिक्स (WATS) रिपोर्ट में दी गई है।

IATA रिपोर्ट की मुख्य बातें:

- **भारत की जबरदस्त वृद्धि:** IATA के अनुसार, भारत में 2023 की तुलना में 11.1% की वृद्धि दर्ज की गई। भारत ने 2024 में 211 मिलियन यात्रियों को संभाला, जबकि जापान 205 मिलियन यात्रियों के साथ पीछे रहा।
- **दुनिया के शीर्ष विमानन बाजार:**
  - **1. अमेरिका:** 876 मिलियन यात्री, 5.2% सालाना वृद्धि।
  - **2. चीन:** 741 मिलियन यात्री, 18.7% की वृद्धि।
  - **3. यूनाइटेड किंगडम (UK):** 261 मिलियन यात्री।
  - **4. स्पेन:** 241 मिलियन यात्री।
  - **5. भारत:** 211 मिलियन यात्री।
- **आंकड़ों में शामिल:** ये आंकड़े उन सभी यात्रियों को शामिल करते हैं जो अंतरराष्ट्रीय या घरेलू उड़ानों से संबंधित देश में आए या वहां से रवाना हुए।
- **एयरपोर्ट-पेयर रैंकिंग (Airport Pair Ranking):**
  - **एशिया-प्रशांत क्षेत्र का दबदबा** इस सूची में रहा।
  - **दुनिया का सबसे व्यस्त मार्ग:** *जेजू-सियोल (दक्षिण कोरिया)*, 13.2 मिलियन यात्री।
  - **भारत का प्रदर्शन:** *मुंबई-दिल्ली मार्ग* 5.9 मिलियन यात्रियों के साथ **दुनिया में 7वें स्थान पर** रहा।

एविएशन सेक्टर को समर्थन देने वाली भारत सरकार की पहलें:

- **उड़ान (UDAN) योजना:** इस योजना का उद्देश्य आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा को सस्ता और सुलभ बनाना है, जिससे क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलता है।
- **राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (NCAP):** इस नीति के तहत भारत में MRO (Maintenance, Repair & Overhaul), एयरपोर्ट विकास और एयरक्राफ्ट लीजिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- **ग्रीन एयरपोर्ट्स नीति:** यह नीति नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग, कचरा कम करने और कार्बन-न्यूट्रल लक्ष्यों को प्रोत्साहित करती है।
- **नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विकास**
- **एयरक्राफ्ट लीजिंग और फाइनेंसिंग इकोसिस्टम**

सारनाथ / Sarnath

संदर्भ:

भारत सरकार ने "प्राचीन बौद्ध स्थल, सारनाथ" नामक एक **डॉसियर यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र** को प्रस्तुत किया है। यह नामांकन **2025–26 चक्र** में **विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने** के उद्देश्य से किया गया है।

सारनाथ: एक पवित्र बौद्ध स्थल:

स्थिति: उत्तर प्रदेश के **वाराणसी** के निकट स्थित है।

ऐतिहासिक महत्व:

- यहीं **गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद पहला उपदेश** दिया था – *धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त*।
- इसी उपदेश से **बौद्ध संघ** की शुरुआत हुई।

सांस्कृतिक महत्व:

- **चार प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों** में से एक (अन्य तीन: बोधगया, लुंबिनी, कुशीनगर)।
- प्राचीन काल में यह **बौद्ध शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रमुख केन्द्र** था।
- यहां की वास्तुकला में **मौर्य, कुषाण और गुप्त काल** की शैली दिखाई देती है।

सारनाथ के प्रमुख स्मारक:

- **धमेख स्तूप:** 500 ईस्वी में बुद्ध के प्रथम उपदेश की स्मृति में निर्मित।
- **अशोक स्तंभ:** सम्राट अशोक द्वारा निर्मित; इसके शीर्ष पर स्थित **सिंह-स्तंभ** अब **भारत का राष्ट्रीय प्रतीक** है।
- **चौखंडी स्तूप:** यह स्थान उस स्थल को चिन्हित करता है जहां बुद्ध ने अपने पहले शिष्यों से भेंट की थी।
- **मूलगंध कुटी विहार:** महाबोधि सोसाइटी द्वारा निर्मित आधुनिक मंदिर, जिसमें **बुद्ध के जीवन से जुड़ी भित्तिचित्र** (frescoes) हैं।
- **सारनाथ पुरातात्त्विक संग्रहालय:** यहां **प्राचीन कलाकृतियाँ** प्रदर्शित हैं, जिनमें **अशोक का सिंह-स्तंभ शीर्ष** (Lion Capital) शामिल है।

PAN 2.0 परियोजना / PAN 2.0 project

संदर्भ:

आयकर विभाग ने **PAN 2.0 परियोजना** के क्रियान्वयन के लिए **मध्यम आकार की आईटी कंपनी LTIMindtree Ltd** का चयन किया है। इस परियोजना का उद्देश्य **स्थायी खाता संख्या (PAN) प्रणाली को अधिक आधुनिक, तेज़ और डिजिटल रूप से सक्षम बनाना** है, ताकि आयकर प्रशासन को अधिक पारदर्शी, कुशल और नागरिकों के अनुकूल बनाया जा सके।

PAN 2.0 परियोजना: एक आधुनिक ई-गवर्नेंस पहल:

परिचय:

- **PAN 2.0 परियोजना** आयकर विभाग की एक प्रमुख **ई-गवर्नेंस पहल** है, जिसे **25 नवम्बर 2024** को आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) द्वारा मंजूरी दी गई थी।
- इसका उद्देश्य **स्थायी खाता संख्या (PAN) प्रणाली** को आधुनिक और सुरक्षित बनाना है।

मुख्य उद्देश्य:

- **PAN और TAN (टैक्स डिडक्शन एंड कलेक्शन अकाउंट नंबर)** से जुड़ी सभी सेवाओं को एक **एकीकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म** पर लाना।
- वर्तमान में ये सेवाएँ **e-Filing Portal, UTIITSL, और Protean e-Gov** जैसे अलग-अलग पोर्टलों पर बिखरी हुई हैं।

प्रमुख विशेषताएँ:

- पूरी तरह से **पेपरलेस** और **तकनीक आधारित प्रणाली** होगी।
- **नई PAN जारी करने, जानकारी अपडेट करने** और **सुधार कराने** जैसी सभी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध होंगी।
- **PAN डेटा वॉल्ट सिस्टम** बनाया जाएगा, जो करदाताओं की संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।
- **PAN कार्ड पर डायनामिक QR कोड** जैसी **उन्नत सुरक्षा प्रणाली** भी लागू की जाएगी।

अग्निशोध (Agnishodh) पहल

संदर्भ:

भारतीय सेना ने **IIT मद्रास** के साथ सहयोग करते हुए **'अग्निशोध' (Agnishodh)** नामक **भारतीय सेना अनुसंधान प्रकोष्ठ (Indian Army Research Cell - IARC)** की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ **रक्षा नवाचार, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकास** और **स्वदेशी अनुसंधान को बढ़ावा** देने के उद्देश्य से IIT मद्रास परिसर में स्थापित किया गया है, जो सेना की परिचालन क्षमताओं को सशक्त बनाने में सहायक होगा।

अग्निशोध पहल: भारतीय सेना की तकनीकी उन्नति की दिशा में कदम:

परिचय: यह पहल **भारतीय सेना के व्यापक परिवर्तन ढांचे (Transformation Framework)** का हिस्सा है, जो सेना प्रमुख (COAS) द्वारा निर्धारित **"पांच स्तंभों (Five Pillars of Transformation)"** पर आधारित है।

पांच स्तंभों में शामिल हैं:

1. तकनीक का समावेश
2. संरचनात्मक बदलाव
3. मानव संसाधन विकास
4. तीनों सेनाओं के बीच समन्वय
5. आधुनिकीकरण एवं तकनीकी नवाचार

अग्निशोध पहल विशेष रूप से किस स्तंभ को बढ़ावा देती है?

- **आधुनिकीकरण और तकनीकी समावेशन (Modernisation and Technology Infusion)**

मुख्य विशेषताएँ:

- **IIT मद्रास रिसर्च पार्क** और **एएमटीडीसी (AMTDC)** जैसे संगठनों के साथ मिलकर यह केंद्र कार्य करेगा।
- **प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीकों को व्यवहारिक और तैनाती योग्य** रूप में बदलने पर फोकस होगा।
- सैन्य कर्मियों को उभरते तकनीकी क्षेत्रों में **पुन: कौशल प्रशिक्षण (Upskilling)** दिया जाएगा, जैसे:
  - एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग
  - साइबर सुरक्षा
  - क्वांटम कंप्यूटिंग
  - वायरलेस संचार
  - मानव रहित हवाई प्रणाली (UAS)

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- इतिहास
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

1500x4
~~₹6000/-~~

₹4500/-

- रोज़ाना लाइव क्लासेस
- साप्ताहिक टेस्ट
- क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
- लाइव डाउट सेशन
- रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न

COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
BBK
Baaten Bazaar ki
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

\+ **(FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)** FREE

EMI AVAILABLE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR